संपादकीय

विपक्ष के लिए संदेश

विपक्ष को यह स्वीकार करना चाहिए कि भाजपा ने अपने लिए एक मजबूत सामाजिक आधार तैयार कर लिया है। उसने 1990 के दशक में उपजे अनेक समीकरणों को खुद में समाहित कर लिया है।

भाजपा विरोधी दलों और समूह अगर चाहें, तो रविवार को आए उप चुनाव नतीजों से एक खास संदेश ग्रहण कर सकते हैं। संदेश यह है कि भाजपा से निपटने की जिस रणनीति के भरोसे वे बैठे हैं, वह कारगर नहीं हो रही है। बल्कि केंद्र की सत्ता में आने के आठ साल बाद आज भी पहल भाजपा के हाथ में ही बनी हुई है। वरना, दक्षिण के तेलंगाना से लेकर पूरब में ओडीशा तक उसके समर्थन आधार में विस्तार होता नजर नहीं आता। वैसे विपक्ष को सबसे बड़ा झटका बिहार की गोपालगंज सीट पर मिला। पिछले अगस्त में जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पाला बदला था, तब राजनीति के दो दशक पुराने व्याकरण में अब तक उलझे समीक्षकों ने एक स्वर से कह दिया था कि अब कम से कम बिहार में तो सियासी सूरत बिल्कुल पलट जाएगी। तुरंत 2024 के आम चुनाव के लिए भविष्यवाणी करते हुए कहा गया था कि उसमें 2019 की तरह ही एकतरफा, लेकिन उलटी दिशा में नतीजा आएगा। लेकिन नीतीश कुमार के पाला बदल वोटों के कथित रूप से अपेक्षित 'क्वांटम शिफ्ट' के विपरीत भाजपा गोपालगंज सीट बचाने में सफल रही।

अब विपक्ष के लिए यह सिर्फ ढाढस बंधाने के तर्क हैं कि 2020 की तुनाल में भाजपा की जीत का अंतर 36 हजार से घट कर दो हजार पर आ गया। या यह कि अगर ओवैसी की पार्टी और साधू यादव की पत्नी ने मिल कर 19 हजार वोट नहीं काट दिए होते, तो कहानी उलटी होती। यह अगर हर चुनाव का स्थायी अगर है। बहरहाल, इस नतीजे का सबक यह है कि बिहार में भाजपा अपने बूते एक मजबूत ध्रुव बन चुकी है। बेशक ऐसा होने के पीछे उसके पास मौजूद अकूत संसाधान और प्रचार माध्यमों पर उसका पूरा नियंत्रण एक पहलू है। लेकिन इसके साथ ही विपक्ष को यह स्वीकार करना चाहिए कि भाजपा ने अपने लिए एक बेहद मजबूत सामाजिक आधार भी तैयार कर लिया है। उसने 1990 के दशक में उपजे अनेक तर्कों और समीकरणों को खुद में समाहित कर लिया है। जब तक इस सच को स्वीकार विपक्षी समूह अपनी रणनीति नहीं बनाएंगे, वे हर चुनाव का नतीजा आने के बाद मायूस होने के लिए अभिशप्त बने रहेंगे।

इंग्लैंड से मिली हार के बाद टीम इंडिया के कोच द्रविड़ ने कही ऐसी बड़ी बात

एडिलेड। भारत के कोच राहुल द्रविड़ ने टी20 विश्व कप 2022 के सेमीफाइनल में गुरुवार को इंग्लैंड के हाथों मिली हार को निराशाजनक बताया, लेकिन उसे 'शर्मनाक हार' कहने से परहेज़ किया। इंग्लैंड ने एडिलेड ओवल पर खेले गए सेमीफाइनल में भारत को 10 विकेट से रौंदा। भारत ने इंग्लैंड को 169 रन का लक्ष्य दिया था जिसे जॉस बटलर और एलेक्स हेल्स की सलामी जोड़ी ने 16 ओवर में ही हासिल कर लिया। मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में जब द्रविड़ से पूछा गया कि क्या यह एक 'शर्मनाक हार' है, तो उन्होंने कहा, शर्मनाक हार तो नहीं, लेकिन यह निराशाजनक है।

द्रविड़ ने कहा, इंग्लैंड आज बेहतर टीम थी और उन्होंने हमसे बेहतर खेला। हमने गेंद को आगे टप्पा देने का प्रयास किया। यह एक योजना थी, लेकिन वह इसके खिलाफ सफल रहे। यहां गेंद उतनी स्विंग नहीं हुई जितनी ऑस्ट्रेलिया के अन्य हिस्सों में होती है। परिस्थितियां उनके हित में रहीं, और बटलर-हेल्स की साझेदारी आज शानदार थी। बटलर-हेल्स की जोड़ी ने 169 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पारी की विस्फोटक शुरुआत की और पावरप्ले में 63 रन जोड़ लिये। भारतीय टीम इस दौरान 38 रन ही बना सकी थी।

द्रविड़ ने कहा, मेरे अनुसार उन्होंने हम पर दबाव बनाया और मैच को कभी हाथ से निकलने नहीं दिया। जब हमारे गेंदबाज विकेट पर आए तब हमने सोचा कि हम मैच पर अपनी पकड़ बना सकते हैं। उन्होंने हमारे स्पिनरों पर काफी अच्छा प्रत्याक्रमण किया और उन पर दबाव बनाया।

उन्होंने कहा, हम उन टीमों में से एक थे जो इन परिस्थितियों में भी 180 या उससे अधिक स्कोर बना रहे थे। मुझे लगता है कि हमने इस टूर्नामेंट में दो या तीन बार ऐसा किया था। हम अच्छा खेल रहे थे। शायद जब मैच शुरू हुआ, तो खिलाड़ी कह रहे थे कि विकेट थोड़ा धीमा था। इंग्लैंड ने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की। मुझे लगा कि वे वास्तव में सामने अच्छे थे। बटलर और हेल्स की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से पहले हार्दिक पांड्या के अलावा सभी भारतीय बल्लेबाज विकेट पर संघर्ष करते नजर आये। पांड्या ने 33 गेंदों पर चार चौकों और पांच छक्कों के साथ ताबड़तोड़ 63 रन बनाये, जबकि कोई अन्य बल्लेबाज 150 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से रन नहीं बना सका।

द्रविड़ ने कहा, उन्होंने (इंग्लैंड) वास्तव में अच्छी जगहों पर गेंदबाजी की और हमें मैच पर पकड़ नहीं बनाने दी। हमें लगा कि 15 ओवर के निशान तक हम 15-20 रन पीछे थे और आखिरी पांच ओवरों में ही हमने अच्छी बल्लेबाजी की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हार्दिक बहुत अच्छा खेले, लेकिन अंत में ऐसा लग रहा था कि हम 15-20 रन से भी बहुत पीछे थे, लेकिन मुझे लगता है कि हमें उस विकेट पर 180 या 185 रन का स्कोर बनाना चाहिए था।

आईएमपीएसीएल ने दिया 10.3 करोड़ रुपए का लाभांश

नई दिल्ली। केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम इंडियन मेडीसिन्स फार्मास्यूटिकल कार्पोरेशन लिमिटेड ने आयुष मंत्रालय और उत्तराखंड सरकार को 10.3 करोड़ रुपये का लाभांश देने की घोषणा की है। कंपनी के अधिकारियों ने एक समारोह में आयुष मंत्रालय का 9.93 करोड़ रुपये का लाभांश चेक आयुष मंत्री सर्बानन्द सोनोवाल को सौंपा।

इस अवसर पर सर्बानन्द सोनोवाल ने कहा, आईएमपीसीएल ने पिछले वित्तवर्ष 2020-21 की तुलना में अपने लाभ में प्रभावशाली बढ़ोतरी दर्ज की है, जो प्रशंसनीय उपलब्धि है। समारोह में आयुष राज्यमंत्री मुंजपरा महेन्द्रभाई, आयुष मंत्रालय के विशेष सचिव प्रमोद कुमार पाठक, आयुष मंत्रालय के योग और प्राकृतिक चिकित्सा प्रकोष्ठ के निदेशक विक्रम सिंह, आयुर्वेद सलाहकार एवं आईएमपीएसीएल के प्रबंध निदेशक डॉ. मुकेश कुमार, आईएमपीसीएल के सहायक महानिदेशक (एफ-एंड-ए) अरविन्द कुमार अग्रवाल तथा अन्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कंपनी विभिन्न रोगों के लिये 657 प्राचीन आयुर्वेदिक, 332 यूनानी और 71 ट्रेडमार्क युक्त दवायें बनाती है। वह राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत सभी राज्यों और 6000 जन औषधि केंद्रों को आयुर्वेद तथा यूनानी दवाओं की आपूर्ति करती है।

रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 71 पैसे चढ़कर 80.69 पर पहुंचा

मुंबई । डॉलर सूचकांक में गिरावट आने और अमेरिका के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के सकारात्मक आंकड़े मिलने से निवेशकों की धारणा को बल मिला और शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 71 पैसे चढक़र 80.69 रुपये पर पहुंच गया।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू बाजारों में तेजी और कच्चे तेल के दामों नरमी आने से भी घरेलू मुद्रा को बल मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 80.76 पर खुला, और फिर बढक़र 80.69 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 71 पैसे की वृद्धि दर्शाता है।

रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सात पैसे चढक़र 81.40 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत गिरकर 108.18 पर आ गया।

एशियाई एलीट मुक्केबाजी 2022: सुमित, गोविंद ने अपने नाम किया कांस्य पदक

नई दिल्ली। सुमित और गोविंद कुमार साहनी की थाईलैंड ओपन चैंपियन 2022 जोड़ी को गुरुवार को जॉर्डन में एएसबीसी एशियाई एलीट बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2022 में सेमीफाइनल मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा और कांस्य पदक से ही संतुष्ठ करना पड़ा।

गोविंद (48 किग्रा) कजाकिस्तानी के खिलाफ थे और उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी पर जबरदस्त हमले के साथ शुरूआत की, लेकिन वह लंबे समय तक उस रणनीति को बनाए नहीं रख सके। उनके कजाख प्रतिद्वंद्वी अगले दो राउंड में हावी रहे और उन्होंने गोरखपुर के मुक्केबाज को 0-4 से हराया।

सुमित (75 किग्रा) उज्बेकिस्तान के मौजूदा एशियाई चैंपियन जाफरोव सैदजामशीद के खिलाफ एक कठिन मैच में शामिल थे और अपने सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, मैच पर नियंत्रण करने में विफल रहे और सर्वसम्मत निर्णय से 0-5 की हार का सामना करना पड़ा।

बाद में गुरुवार की रात, छह बार के एशियाई पदक विजेता शिव थापा (63.5 किग्रा), मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा) और नरेंद्र (92प्लस किग्रा) सभी फाइनल में अपनी जगह पक्की करने के लिए रिंग में उतरेंगे।

2020 टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) और 2022 विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता परवीन (63 किग्रा) सहित पांच भारतीय महिला मुक्केबाज शुक्रवार को टूर्नामेंट के फाइनल में स्वर्ण पदक के लिए भिड़ेंगी।

फाइनल में प्रतिस्पर्धा करने वाली अन्य महिला मुक्केबाज अल्फिया पठान (81प्लस किग्रा), स्वीटी (81 किग्रा) और मीनाक्षी (52 किग्रा) होंगी।

भारत अभी भी पुराने जमाने का पावरप्ले क्रिकेट खेल रहा: नासिर हुसैन

एडिलेड। इंग्लैंड के हाथों एडिलेड ओवल में टी20 विश्व कप के दूसरे सेमीफाइनल में भारत जोस बटलर की अगुवाई वाली टीम से दस विकेट से हार गया। इसके बाद पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने आलोचना करते हुए कहा कि भारतीय टीम पुराने जमाने का पावर-प्ले क्रिकेट खेल रही है।

एक अच्छी बल्लेबाजी लाइन-अप के बावजूद, टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत नहीं करने की भारत की लगातार समस्या ने उन्हें फिर से निराश किया, जब उन्होंने पावरप्ले में सिर्फ 38/1 बनाया, जो कि इंग्लैंड की 63/0 तुलना में बहुत खराब था। बटलर (नाबाद 80) और एलेक्स हेल्स (नाबाद 86) क्रीज पर थे और चार ओवर शेष रहते 168/6 का पीछा किया।

हुसैन ने कहा, जब आप इंग्लैंड के पहले छह ओवरों को देखते हैं तो भारत से एक बड़ी गलती हुई। हेल्स और बटलर वैसे ही खेले, जैसे वे खेल रहे थे और भारत अभी भी पुराने जमाने का पावरप्ले क्रिकेट खेल रहा है।

पूर्व कप्तान माइकल एथरटन ने हुसैन के विचारों से सहमति व्यक्त की और भारत की गेंदबाजी की भी आलोचना की, जिसने इंग्लैंड को रविवार को मेलबर्न में पाकिस्तान के साथ

फाइनल मैच खेलने से नहीं रोका।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मॉर्गन ने बटलर की टीम की भारत को हराने के लिए प्रशंसा की।

उन्होंने कहा, इंग्लैंड ने एक बहुत अच्छी भारतीय टीम को सामान्य बना दिया और यह करना बहुत मुश्किल है। इसमें अच्छी तरह से योजना बनाना और लागू करना शामिल है।

रोहित शर्मा, केएल राहुल, सूर्यकुमार यादव और विराट कोहली जैसे बड़े खिलाड़ियों के खिलाफ उन्होंने उन्हें आउट किया और उन्हें एक औसत टीम बना दिया। यह एक बड़े मुकाबले में दो अलग-अलग टीम दिखाई दी। एलेक्स हेल्स और जोस बटलर ने शानदार बल्लेबाजी की। मैं टीम के लिए, जोस के लिए और कोच मैथ्यू मॉट के लिए बहुत खुश हूं। अब रविवार को अवसर बहुत बड़ा मैच है।

एक्शन फिल्म करने आ रहे 4 सुपरस्टार, बाप से सामने आया सबका लुक

काफी समय से खबर आ रही थी कि सनी देओल, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ और मिथुन चक्रवर्ती एक फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। खुद जैकी ने भी इस ओर इशारा किया, लेकिन निर्माताओं की तरफ से इसका आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ था। अब आखिरकार बॉलीवुड के दिग्गज सितारों से जुड़ी इस फिल्म की घोषणा हो गई है और साथ ही सितारों का दमदार लुक भी दर्शकों के बीच आ गया है।

चार सुपरस्टार सनी, संजय दत्त, मिथुन और जैकी जो एक्शन फिल्म लेकर आ रहे हैं, उसका नाम बाप ऑफ ऑल फिल्म्स बताया जा रहा है। इससे सितारों की पहली झलक सामने आ गई है, जिस पर लोग खूब प्यार बरसा रहे हैं। सनी ने सोशल मीडिया पर लुक शेयर कर लिखा, बाप ऑफ ऑल फिल्म्स, शूट, धमाल, दोस्ती, बेमिसाल। उनके पोस्ट पर लोग भर-भरकर कमेंट कर रहे हैं। जी स्टूडियो ने भी पोस्टर रिलीज कर दिया है।

कलाकारों ने इस एक्शन एंटरटेनर फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। निर्देशन की बागडोर विवेक चौहान के हाथ में है। वह इस फिल्म से बॉलीवुड में अपने निर्देशन की शुरुआत कर रहे हैं। अहमद खान, शाइरा अहमद खान और जी स्टूडियो ने इसे बनाया है। बीते जमाने के चारों सितारों को साथ देख फैंस का उत्साह सातवें आसमान पर है। ये सभी फिल्म में एक्शन करते दिखेंगे। पहली बार ये चारों सितारे किसी फिल्म के लिए साथ आए हैं।

जैकी श्रॉफ-संजय ने खलनायक जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म दी है। सनी के साथ जैकी बॉर्डर, त्रिदेव और दुश्मनी फिल्मों में दिखे। सनी और संजय ने योद्धा, क्षत्रिय और क्रोध जैसी फिल्मों में साथ काम किया, वहीं संजय-मिथुन लक और इलाका जैसी फिल्मों के लिए साथ आए।

दीपिका, रणबीर और सोनम ने बॉलीवुड में पूरे किए 15 साल, ऐसा रहा सफर

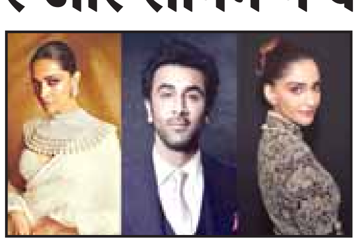

रणबीर कपूर, सोनम कपूर और दीपिका पादुकोण बॉलीवुड में आज के दौर के सबसे लोकप्रिय सितारे हैं और इन तीनों सितारों में एक समानता है। 9 नवंबर को तीनों ही सितारे बॉलीवुड में अपने 15 साल पूरे कर रहे हैं। दीपिका, रणबीर और सोनम ने करियर के इन सालों में खूब उतार चढ़ाव देखे हैं। इन्होंने कई यादगार फिल्में दीं तो वहीं कई फिल्में फ्लॉप हुईं।

रणबीर ने संजय लीला भंसाली की फिल्म सांवरिया से 2007 में डेब्यू किया था। इस फिल्म ने रणबीर को एक चॉकलेटी बॉय के खांचे में डाल दिया। पहली फिल्म में क्रिटिक्स ने रणबीर का अभिनय नहीं सराहा था। बावजूद इसके उन्होंने बेस्ट डब्यू मेल के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार जीता। इसके बाद वेकअप सिड, रॉकेट सिंह और राजनीति जैसी फिल्मों से उनके अभिनय की प्रशंसा हुई। हालांकि, शुरुआती दौर में रणबीर मुख्यत: चॉकलेटी बॉय की छवि में ही रहे।

2011 की फिल्म रॉकस्टार रणबीर के अभिनय के लिए टर्निंग पॉइंट रही। फिल्म में जॉर्डन के किरदार में उन्होंने तेज-तर्रार अभिनय किया। उनकी फिल्म बर्फी भारत की ओर से ऑस्कर के लिए भेजी गई। ये जवानी है दीवानी से उन्होंने युवाओं का दिल जीता तो इम्तियाज अली की तमाशा में उनके अभिनय में परिपक्वता देखने को मिली। फिल्म संजू में उन्होंने संजय दत्त के जीवन के अलग-अलग दौर को प्रदर्शित करने का चुनौतीपूर्ण काम बखूबी किया।

दीपिका पादुकोण ने शाहरुख खान की फिल्म ओम शांति ओम से बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था। रिपोर्ट्स के अनुसार निर्देशक फराह खान ने हिमेश रेशमिया के एक वीडियो में उन्हें देखा था और अपनी फिल्म के लिए पसंद कर लिया। फिल्म में वह डबल रोल में नजर आई थीं। करियर के शुरुआती दौर में दीपिका ज्यादातर अपने ग्लैमरस लुक के लिए पहचानी गईं। बचना ऐ हसीनो, हाउसफुल, दम मारो दम जैसी फिल्मों में उन्होंने अपने ग्लैमर का जादू चलाया।

इम्तियाज अली की फिल्में लव आज कल और कॉकटेल में दीपिका के काम की तारीफ हुई। फिल्म ये जवानी है दीवानी, चेन्नई एक्सप्रेस और तमाशा से दीपिका ने दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों के दिलों में जगह बनाई। भंसाली के साथ साझेदारी ने दीपिका की छवि ही बदल दी। भंसाली की फिल्में, गोलियों की रासलीला-रामलीला, बाजीराव मस्तानी और पद्मावत में दीपिका ने अपने काम में महारथ हासिल की और स्टारडम की बुलंदियों को छुआ।

आज का राशिफल

मेष : आज का दिन भाग्यशाली बीतेगा। सामाजिक दायरा बढ़ेगा। घर और बाहर के अव्यवस्थित खाने से बचें। ऑफिस में यदि कोई विरोधी है तो उसके षड्यंत्र से सावधान रहें। आज खर्च भी हो सकता है। घर के छोटे सदस्यों के साथ अधिक वक्त बिताएं।

वृष : आज का दिन खुशगवार बीतेगा क्योंकि दिन शुभ है। अपने प्रेमी से आज मिलन होगा। दिनभर उत्साह बना रहेगा। कुछ असमंजस के कारण मुनाफे के रास्ते में अड़चन आ सकती है। माता पिता का आशीर्वाद बना रहेगा।

मिथुन : आज का दिन थोड़ा सावधानी से चलने का है। आसपास के लोगों से बहसबाजी में न उलझें। किसी शुभ मांगलिक कार्य में जाने का मौका मिलेगा। दूसरों की मदद से दिल को सुकून मिलेगा। सेहत सामान्य रहेगी।

कर्क : आपके लिए आज का दिन सामान्य रिजल्ट देने वाला होगा। रोजगार व्यवसाय में लाभ होगा। ईमानदारी से बनाए गए रिश्ते लंबे समय तक आपका साथ निभाएंगे। कुछ लोगों की किस्मत आज चमक सकती है। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

सिंह : आज का दिन काफी व्यस्त रहेगा। मेहनत के बाद उसका फल मिल जाएगा। अपने पार्टनर के साथ शाम का स्पेशल प्रोग्राम कामयाब होगा। इज्जत बढ़ेगी और अचानक घूमने-फिरने से कोई फायदा हो सकता है। बच्चों के प्रति चिंता रह सकती है लेकिन सब सकारात्मक ही होगा।

कन्या : आज का दिन खुशगवार बीतेगा। लाभ के मौके मिलेंगे। किसी असरदार शख्स पर पैसा खर्च होगा। जीवन की दिशा नया मोड़ लेगी। यात्रा होगी और जायदाद के कागजों में दस्तावेजों के प्रति सजग रहें। धर्म-कर्म में रूचि बढ़ेगी।

तुला : आपके लिए आज का दिन एक्टिव है। पैसे की परेशानियां सुलझ जाएंगी। हैल्थ से जुड़ी परेशानियां हल हो जाएंगी। कोई समाचार प्राप्त होने के योग है।

वृश्चिक : थोड़ी सी मेहनत से ही सम्मान मिलेगा। अच्छे व्यवहार से नए दोस्त बनेंगे और नए प्रोजेक्ट पर काम भी शुरू हो जाएगा। ऑफिस में खास परिवर्तन होंगे व काम भी बनते नजर आएंगे।

धनु : आज का दिन आपके लिए अच्छा है। राजनीतिक गतिविधियां बढ़ेंगी। किसी अनुभवी व्यक्ति से लाभ उठाएं लेकिन उस पर धन खर्च होगा। जीवन की दिशा नया मोड़ लेगी।

मकर : छोटे-मोटे झगड़े दिन के पहले हिस्से में सिर उठाएंगे लेकिन आपकी सूझबूझ से जल्द ही निपट जाएंगे। बढ़ते खर्च पर लगाम लगेगी। अधिक मेहनत करेंगे और अपने व्यवहार में सुधार करेंगे तो फायदे में रहेंगे।

कुंभ : व्यवसाय में लाभ होगा। ऑफिस में काम को धीरे-धीरे ही करेंगे तो फायदे निश्चित हैं। पढ़ाई-लिखाई में ध्यान दें। प्रॉपर्टी का लाभ मिलेगा। मेहनत से किए गए काम के अच्छे नतीजे निकलेंगे।

मीन : आज आपका दिन भाग्यशाली रहेगा। व्यापार और इन्वेस्टमेंट में चिंता खत्म होगी। घूमने फिरने और मनोरंजन का सुख मिलेगा। नए दोस्त बनेंगे। डेली रूटीन और खाने-पीने का पूरा प्रोग्राम व्यवस्थित तरीके से बनाएं।

सर्दियों में बनाएं आंवले का मुरब्बा

आंवला सेहत के लिए काफी फायदेमंद है। इसे खान से इम्यूनिटी बूस्ट होती है, साथ ही आंखों की रोशनी के लिए भी जरूरी है। यह शरीर की कई बीमारियों को दूर करने में मदद करता है। आप इसका टेस्टी मुरब्बा बनाकर स्टोर कर सकते हैं। आइए जानते हैं, बनाने की विधि।

सामग्री :

1 किग्रा आंवला, ½ किग्रा चीनी, आधा चम्मच फिटकरी, 1 चम्मच इलायची पाउडर

विधि :

- आंवला का मुरब्बा बनाने से एक दिन पहले में फोर्क से इसमें छेद कर लें, और पानी में फिटकरी मिलाकर इसे भिगो दें।
- मुरब्बा बनाने के समय आंवले को पानी से निकाल लें।
- अब एक बड़े पैन में पानी उबालें और उसमें आंवले को डाल कर नरम होने तक पकाएं।
- जब आंवला पक जाए, तो गैस बंद कर दें।
- अब किसी दूसरे बर्तन में चाशनी तैयार कर लें, इसे बनाने के लिए एक बाउल में पानी लें।
- फिर इसमें चीनी मिलाकर गैस पर चढ़ा दें।
- ध्यान रखें कि ये घोल न ज्यादा गढ़ा हो और न पतला।
- जब चाशनी तैयार हो जाए तो, इसमें उबले हुए आंवले को डाल दें।
- अब इसे धीमी आंच पर 5-10 मिनट के लिए पकाएं।
- गैस बंद कर दें, इसमें इलायची पाउडर मिला दें।
- तैयार है आंवले का मुरब्बा।

शब्द सामर्थ्य- 248

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 247 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द		स	पू	त
ल		ब	ल	वा	न			द
म	ह	क		खा	म	खां		बी
ग्न		त	ल	ना		स	फ	र
	म	रा				ना	टा	
	हि		स				फ	न
	ला	ज	वा	ब		म	ट	र
मां		ग		सं	त	ति		भ
	मा	त	ह	त			प	क्षी

सू-दोकू- 248

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है। 2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है। 3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.247 का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5